पूर्व राज्यपाल कुँअर मेहमूद अली खां का भाषण

20 मार्च 1990

मध्यप्रदेश की नौवीं विधन सभा के पहले सत्र में आपका स्वागत करते हुए मुझे बड़ी खुशी हो रही है। मुझे इस बात का संतोष है कि अपने प्रदेश में विधान सभा के चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न हुए। नवम्बर 1989 में लोक सभा के चुनाव में प्रदेश के मतदाताओं ने देश में तब्दीली के पक्ष में जनादेश दिया था और विधान सभा के चुनाव में उसी तरह बल्कि कहीं ज्यादा सशक् तरीके से जना ने तब्दीली की अपनी आकांक्षा दोहराई। इस चुनाव में मेरी सरकार को निर्णायक जनादेश प्राप्त हुआ है और मेरा विश्वास है कि मेरी सरकार इस जनादेश का पूरी शक्ति के साथ पालन करेगी।

विगत वर्षों में राजनीति का ऐसा स्वरूप हो गया है जिसमें नैतिकता के सारे मानदंड टूट गए है और राजनीति पर अवांछनीय और असामाजिक तत्व हावी हो गए हैं। आपसी द्वेष और कलह से राजनीति कर्कश हो गई है। इसी बात को ध्यान में रखकर मेरी सरकार ने एक नई राजनीतिक संस्कृति विकसित करने का संकल्प किया है जिससे राजनीति को सौम्य, नैतिक और चरित्रिक स्वरूप दिया जा सके। मेरी सरकार राजनीति में बाहुबल और धनबल के प्रभाव को समाप्त करेगी।

मेरी सरकार की यह स्पष्ट मान्यता है कि प्रशासन तंत्र को किसी राजनीतिक विचारधारा दल गुट या व्यक्ति के प्रति निष्ठ नहीं होना चाहिए। मेरी सरकार संविधान और विधि के राज्य के प्रति निष्ठा तथा प्रतिबद्घता वाला प्रशासन तंत्र विकसित करेगी। मेरी सरकार का यह संकल्प है कि पुलिस की विश्वसनीयता जनता के बीच स्थापित हो और उसकी प्रतिष्ठा शासक के बजाय जनसेवक के रूप में हो।